

स्वपक्ष पुं. (तत्.) 1. अपना दल, अपना पक्ष 2. अपना विचार-पक्ष, अपना मत, अपना सिद्धांत।

स्वपच पुं. (तद्.) श्वपच, चांडाल।

स्वपच्छ पुं. (तद्.) स्वपक्ष।

स्वपति पुं. (तत्.) 1. अपना पति 2. अपना स्वामी।

स्वपन पुं. (तद्.) 1. सोने की क्रिया या भाव 2. सोने की अवस्था, निद्रा, नींद 3. सपना, स्वप्न।

स्वपना पुं. (तद्.) सपना।

स्वपनिल वि. (तत्.) 1. स्वप्न के समान प्रतीत होने वाला 2. स्वप्न के रूप में होने वाला 3. स्वप्न का 4. सुप्र

स्वपनीय वि. (तत्.) निद्रा के योग्य, सोने लायक।

स्वपरागण पुं. (तत्.) वनस्पति. एक पुष्प के पराग कोष से उसी पुष्प के या उसी पौधे के दूसरे पुष्प के वर्तिकाग्र पर पराग का स्थानांतरण।

स्वपर्यवसित वि. (तत्.) 1. अपने द्वारा निश्चित किया हुआ 2. अपने द्वारा पूरा/समाप्त किया हुआ 3. अपने द्वारा नष्ट।

स्वपारिस्थितिकी स्त्री. (तत्.) प्राणीविज्ञान की वह शाखा जिसमें किसी जीव विशेष या जाति विशेष और उसके वातावरण के बीच संबंधों का अध्ययन किया जाता है।

स्वपीड़न रति स्त्री. (तद्.+तत्.) मनोविज्ञान में एक विशेष यौन प्रवृत्ति जिसमें व्यक्ति अपने आप को पीड़ा देकर काम-सुख की अनुभूति करता है।

स्वप्तव्य वि. (तत्.) निद्रा के योग्य।

स्वप्न पुं. (तत्.) 1. सोने की क्रिया या अवस्था, निद्रा, नींद 2. सोए रहने की दशा में मानसिक दृष्टि के सामने आने वाली कुछ विशिष्ट असंबद्ध और काल्पनिक घटनाएँ, चित्र और विचार, सोचे रहने पर दिखाई देने वाली ऐसी विचित्र घटनाएँ, जो अवास्तविक होती हैं, सपना,

ख्वाब 3. उक्त प्रकार से दिखाई देने वाली घटनाओं का सामूहिक रूप, सपना 4. मन ही मन की जाने वाली बड़ी-बड़ी-कल्पनाएँ और बाँधे जाने वाला बाँधनू 5. प्राचीन काल का एक अस्त्र विशेष टि. ऐसा माना जाता है कि यह अस्त्र शत्रुओं को सुलाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है वि. सुलाने या नींद लाने वाला।

स्वप्न अभिलाषा स्त्री. (तत्.) मनो. स्वप्न में किसी दमित इच्छा की अभिव्यक्ति।

स्वप्न अहम् पुं. (तत्.) मनो. अहम् का वह अंश जो स्वप्न देखने का काम करता है।

स्वप्नक वि. (तत्.) सोने वाला, निद्राशील।

स्वप्नकर वि. (तत्.) नींद लाने वाला, निद्राजनक।

स्वप्नकल्प वि. (तत्.) 1. स्वप्न के समान, स्वप्न जैसा, स्वप्नोपमा 2. मिथ्या।

स्वप्नकल्पी वि. (तत्.) 1. स्वप्न रचने वाला 2. कल्पनाशील।

स्वप्नकाम वि. (तत्.) सोने का इच्छुक।

स्वप्नगत वि. (तत्.) जो स्वप्नों में हुआ हो, स्वप्न में घटित।

स्वप्नगृह पुं. (तत्.) सोने का कमरा, शयनागार, शयन गृह।

स्वप्नज वि. (तत्.) 1. स्वप्न में या स्वप्न से उत्पन्न 2. नींद में या नींद से उत्पन्न

स्वप्न दर्शन पुं. (तत्.) 1. स्वप्न देखना, सपना देखना 2. किसी व्यक्ति आदि को स्वप्न में देखना 3. किसी को स्वप्न में देखकर उस पर अनुरक्त होना।

स्वप्नदर्शी वि. (तत्.) 1. स्वप्न देखने वाला 2. कल्पनाएँ करने वाला कल्पनाशील उदा. मगर यह स्वप्नदर्शी मन तुम्हारे पास है अब भी-कुँअर बेचैन 3. बड़ी कल्पनाओं या मन में बनती बड़ी योजनाओं में डूबा रहने वाला।

स्वप्नदृष्टा वि.पुं. (तत्.) 1. स्वप्न/सपना देखने वाला 2. अव्यावहारिक बातों, घटनाओं, योजनाओं